जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 329 प्रभात कोटा, मंगलवार 12 सितम्बर, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पूर्व उप मु.मंत्री सचिन पायलट विधानसभा चुनाव की तैयारियों एवं आमजन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में जमकर व्यस्त हो गये हैं। रविवार को निवाई में सभा के बाद सोमवार को वे जनकल्याण के कई कार्यों का लोकार्पण करने के लिए बांदीकुई पहुँचे। पायलट ने बांदीकुई में कृषि उपज मंडी में कवरिंग एक्शन प्लेटफॉर्म, उपज मंडी की चारदीवारी निमार्ण एवं हाई मास्क लाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने सबसे पहले सुबह बांदीकुई राजकीय कॉलेज में स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया। बांदीकुई जाते वक्त पायलट का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। पायलट आज दौसा में कांग्रेस जिला मुख्यालय भी पहुँचे, यहाँ पर कांग्रेस के हजारों कार्यकताओं एवं आमजन ने पायलट का बेहद उत्साह से स्वागत किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी देर तक सचिन पायलट के नारे लगाये।

'भाजपा नेता पूरे पांच साल नज़र नहीं आए और अब रथ पर चढ़ कर दिखावा कर रहे हैं'

बांदीकुई में अपने पिता व वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में सचिन पायलट ने भाजपा पर करारा प्रहार किया

- **पायलट ने राज्य में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को फ्लॉप बताया और कहा कि, भाजपा का हश्र क्या होगा, यह उनकी सभाओं में जुटने वाली भीड़ से पता लग रहा है।**
- **बांदीकुई जाते समय पायलट का कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं व आम जनता ने शानदार स्वागत किया। बांदीकुई में मूर्ति अनावरण और जनसभा कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी।**

दौसा, 11 सितम्बर (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जिले के बांदीकुई उपखंड स्थित राजेश पायलट राजकीय कॉलेज में अपने पिता, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया। साथ ही, पायलट ने कृषि उपज मंडी समिति, बांदीकुई में कवरिंग एक्शन प्लेटफार्म चार दिवारी, ट्यूबवैल, हाई मास्क लाइट का लोकार्पण भी किया।

मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में भारी संख्या में जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि, केंद्र सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर युवाओं के साथ धोखा व कुठाराघात किया है। पायलट ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि, केंद्र सरकार ने आम लोगों की पीड़ा नहीं सुनी, बल्कि इसके विपरीत गरीबों के लिए जो योजनाएं कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई थीं उन योजनाओं को तहस-नहस करने का कार्य किया है।

आम सभा को संबोधित करते हुए पायलट ने केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि, मोदी सरकार ने नोटबंदी की, जीएसटी लागू की, गैस सिलेंडर सहित पैट्रोल उत्पादों को महंगा कर दिया, आज केंद्र सरकार की नीतियों से महंगाई चरम पर है, घर खर्च आम लोगों के बजट से बाहर हो गया है।

पायलट ने भाजपा द्वारा निकाली जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा को भी फ्लॉप बताते हुए कहा कि, भाजपा का आने वाले समय में क्या हश्र होने वाला है वो इनकी परिवर्तन यात्रा के दौरान जुटने वाली भीड़ से ही पता लग रहा है। उन्होंने कहा कि, भाजपा का काम सिर्फ ध्यान भटकाना है, लोगों को धर्म -जाति की बात कर भड़काना है।

संबोधन के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की सोच का जिक्र करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि, वे कृषि को उद्योग का दर्जा दिलाना चाहते थे, किसानों को क्रेडिट कार्ड दिलाना चाहते थे, उस समय उनकी यह सोच थी। लेकिन यह काम 20 साल बाद देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि, उनके पिता राजेश पायलट का सपना था कि, किसानों के बच्चे भी पढ़ लिखकर ऊंचे पदों पर बैठें एवं उस जगह तक पहुंचे जहां देश को चलाने की नीतियां बनती हैं, ताकि स्थानीय स्तर पर उन नीतियों को लागू कर सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

कार्यक्रम को कृषि राज्यमंत्री, दौसा विधायक मुरारी लाल मीणा, बांदीकुई विधायक गजराज खटाना, चाकसू विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, बसेड़ी विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा द्वारा भी संबोधित किया गया। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता व आम जनों ने "पायलट पायलट" के नारों से माहौल गुंजायमान कर दिया।

बांदीकुई जाते समय पायलट कांग्रेस के दौसा जिला मुख्यालय भी गये। यहां पायलट के स्वागत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आमजनों का जबरदस्त सैलाब उमड़ पड़ा। कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने मिलकर पायलट का जोरदार स्वागत किया।

इस मौके पर पायलट ने भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा पर पलटवार करते हुए कहा कि, पांच साल धरातल से नदारद रहे भाजपा नेता अब रथों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

क्या मध्य प्रदेश में संघ ने बनवाई है जनहित पार्टी?

सूत्रों का कहना है कि, आर.एस.एस. के असंतुष्टों की जनहित पार्टी अन्ततोगत्वा भाजपा विरोधी वोट काटेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। केन्द्रीय भारत में वो हो रहा है जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में संघ परिवार की राजनीतिक शाखा, भाजपा को चुनौती देने के लिए लोग, सख्त और अनुशासनबद्ध राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से पलायन कर रहे हैं।

पहले से ही समस्याओं से जूझ रही सत्तारुढ़ भाजपा के लिए यह कोढ़ में खाज है, क्योंकि पांचवी बार राज्य की कमान हाथ में लेने के अथक प्रयास में जुटे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भारी "एन्टी इन्कम्बैंसी" का सामना कर रहे हैं।

भाजपा पहले ही तीन अलग - अलग विशिष्ट गुटों में बंटी है जो एक-दूसरे को पटखनी देने में लगे हैं। अब आर.एस.एस. के पूर्व प्रचारकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा जनहित पार्टी के गठन की घोषणा, राज्य में धड़ों में बंटी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है। कांग्रेस के नेताओं ने जनता में फैली सरकार विरोधी भावनाओं का लाभ उठाने के लिए लोगों से इस बारे में बात करना शुरु कर दिया है। इस नई राजनीतिक पार्टी का उद्देश्य विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की छवि बिगाड़ना है।

मध्य प्रदेश में भाजपा तीन गुटों में बंटी हुई है- शिवराज भाजपा, महाराज (ज्योतिरादित्य सिंधिया) भाजपा और नाराज़ भाजपा (भाजपा के नाराज़ नेताओं का वर्ग)। इन लोगों का सामना कमलनाथ के नेतृत्व में लगभग संगठित कांग्रेस से है।

आर.एस.एस. के पूर्व प्रचारक अभय जैन ने रविवार को भोपाल के निकट मिसरोद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हमने जनहित पार्टी इसलिए बनाई है क्योंकि सभी राजनैतिक पार्टियों की संस्कृति लोकतंत्र के आधारभूत मूल्यों के विपरीत है। सभी असफल हो गई हैं।"

देखने से तो लगता है कि, आर.एस.एस. के पूर्व प्रचारकों द्वारा नई पार्टी के गठन का प्रयास भाजपा की मदद करने के लिए हुआ है, ताकि भाजपा विरोधी वोट कांग्रेस से दूर हो जाएं और यह बात इस समय भाजपा से नाराज़ कट्टर हिंदुत्ववादी मतदाताओं को पसंद आ सकती है। यह सुनिश्चित करके कि, उक्त वोट कांग्रेस की तरफ नहीं जाएं, नई पार्टी चुनाव में उन सीटों पर सत्तारूढ़ पार्टी की मदद कर सकती है जहाँ बहुत मामूली अंतर से बहुमत आता है।

तथापि, आर.एस.एस. के इन पूर्व नेताओं और कार्यकर्ताओं का यह कदम अव्यवस्था को और बढ़ाकर दुधारी तलवार का काम कर सकता है। कांग्रेस

- **सूत्रों का कहना है कि, आर.एस.एस. बेहद अनुशासित संगठन है और इस संगठन के सदस्य असंतुष्ट होकर नई पार्टी बना लें, यह बात गले नहीं उतरती है।**
- **ज्ञातव्य है कि, रविवार को मध्य प्रदेश में संघ के कुछ प्रचारकों व महत्वपूर्ण पदाधिकारियों ने जनहित पार्टी के गठन की घोषणा की है।**
- **विभिन्न चुनावी सर्वेक्षणों में मध्य प्रदेश में कांग्रस को बढ़त मिलना बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि, जनहित पार्टी का गठन भाजपा विरोधी वोटों को कांग्रेस में जाने से रोकने के लिए किया गया है।**
- **गुटबाजी से त्रस्त भाजपा के तीन बड़े गुट हैं- शिवराज भाजपा, महाराज भाजपा और नाराज़ भाजपा। जनहित पार्टी नाराज़ गुट को रिझाने का जरिया बन सकती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"नगर दर्शन" करेंगे रामलला प्राण प्रतिष्ठा से पहले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। राम लला की मूर्ति 21 या 22 जनवरी को "नगर दर्शन" के लिये अयोध्या नगरी में घुमाई जायेगी। इस धार्मिक अनुष्ठान के बाद मूर्ति को भव्य राम मंदिर में स्थापित किया जायेगा।

- **प्राण प्रतिष्ठा की तिथि प्रधानमंत्री कार्यालय तय करेगा, क्योंकि उसमें मुख्य अतिथि प्र.मंत्री मोदी हैं। इसलिए 21 या 22 जनवरी में से किसी एक दिन होगा रामलला का नगर दर्शन कार्यक्रम।**

मूर्ति स्थापना की सही तिथि का निर्णय प्रधानमंत्री कार्यालय लेगा क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ही इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

राम जन्मभूमि के महंत नृत्य गोपाल दास ने संकेत दिया है कि, निर्माणाधीन मंदिर के उद्घाटन के लिये सर्वाधिक उपयुक्त तिथि 22 जनवरी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार राज्यों में चुनावों से पहले आएगी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बाढ़

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। चुनावी माहौल को पार्टी के पक्ष में बनाने के लिये, कांग्रेस चारों चुनावाधीन राज्यों में वरिष्ठ नेताओं की झड़ी लगा देने की योजना बना रही है।

पार्टी इसकी शुरुआत तेलंगाना से करने जा रही है।

नवगठित सी.डब्ल्यु.सी. की एक मीटिंग 16 और 19 सितम्बर को हैदराबाद में आयोजित की जा रही है। 16 तारीख को इस मीटिंग में केवल सी.डब्ल्यु.सी. सदस्य ही होंगे, जबकि 17 तारीख को मीटिंग में मुख्यमंत्री, पी.सी.सी. अध्यक्ष तथा वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। फिर 17 तारीख की शाम को ही हैदराबाद में एक जनसभा आयोजित होगी। और 18 तारीख को सी.डब्ल्यु.सी. सदस्य तेलंगाना के विभिन्न चुनाव क्षेत्रों में भेज दिये जायेंगे, जहाँ वे यात्राओं को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे तथा उनमें शामिल होंगे। ज्ञातव्य है कि तेलंगाना के विभिन्न चुनाव क्षेत्रों में यात्राएं संचालित होंगी।

सूत्रों ने कहा कि वरिष्ठ पार्टी नेताओं को तेलंगाना के सभी चुनाव क्षेत्रों में फैला देने का यह तरीका अन्य चुनावाधीन राज्यों में भी दोहराया जायेगा, जिसके पार्टी के पक्ष में जोरदार माहौल बन सके।

पार्टी तेलंगाना में अच्छे प्रदर्शन की आशा सँजोये हुये है। राज्य में भाजपा की स्थिति अच्छी नहीं है तथा दौड़ से बाहर होने की स्थिति में है तथा टी.आर. एस./बी.आर.एस. दो बार लगातार सत्ता में रहने के बाद, इस बार सत्ता-विरोधी सोच से जूझ रही है।

सूत्रों ने कहा कि सी.डब्ल्यु.सी. के लिये कोई बड़ा राजनैतिक एजेंडा नहीं है तथा ऐसी आशा की जा रही है कि सी.डब्ल्यु.सी. की मीटिंग में तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश की राजनैतिक स्थिति पर चर्चा होगी।

यह मीटिंग सचिन पायलट, शशि थरूर तथा गौरव गोगोई जैसे नवनियुक्त सदस्यों की पहली सी.डब्ल्यु.सी. मीटिंग होगी। सी.डब्ल्यु.सी. में उनके विचारों को सुनना तथा यह देखना कि वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य के लिये वे क्या नया सोच लेकर आते हैं, रूचिकर रहेगा।

- **इसकी शुरुआत होगी तेलंगाना से, जहां हैदराबाद में 16-17 सितम्बर को सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक होने जा रही है तथा 17 को ही हैदराबाद में विशाल जनसभा होगी।**
- **सी.डब्ल्यु.सी. के विभिन्न सदस्य तेलंगाना के अलग-अलग चुनाव क्षेत्रों में यात्राओं को हरी झण्डी दिखाएंगे व इनमें शिरकत करेंगे।**
- **यही रणनीति उन सभी राज्यों में भी लागू होगी, जहां चुनाव होने हैं।**

पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 11 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ई.जी.आई.) के चार सदस्यों को मणिपुर में हिंसक जातीय झड़पों संबंधित एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद उनके खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकियों के मामले में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर छह सितंबर को लगाई गई रोक की अवधि सोमवार को अगली सुनवाई 15 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ई.जी.आई.) के चार सदस्यों को अगली सुनवाई, 15 सितम्बर तक के लिए सुरक्षा प्रदान की।**

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ई.जी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जी-20 शिखर सम्मेलन में मोदी के नेतृत्व की कुशलता की तारीफ करते नहीं अघा रहा वैस्टर्न मीडिया

पर, चीन का कहना है कि, भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता का दुरुपयोग किया और चीन को नुकसान पहुंचाया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। पश्चिम के विदेश नीति विशेषज्ञों ने अभी-अभी दिल्ली में सम्पन्न हुये जी-20 सम्मेलन, जी-20 की विज्ञप्तियों एवं सरकारी सूचनाओं तथा मील के पत्थर बने अन्य कार्यों की जमकर तारीफ की है।

दूसरी तरफ, चीन ने भारत पर आरोप लगाया है कि उसने जी-20 सम्मेलन की मेजबानी का लाभ उठाते हुये, अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने तथा चीन के हितों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की है।

"चाइना इन्स्टीट्यूट ऑफ कन्टैम्परेरी इन्टरनैशनल रिलेशंस" से सम्बद्ध एक चीनी थिंक टैंक ने कहा है, "विवादित क्षेत्रों में मीटिंगों की मेजबानी करने में भारत के कार्यों ने "लोक प्रसिद्धि" चुराई है, जी-20 सम्मेलन ने सहयोगपूर्ण वातावरण को बिगाड़ा है तथा ठोस परिणामों की उपलब्धि में विघ्न डाला है।"

लेकिन अमेरिकन थिंक टैंक, "द एटलांटिक काउंसिल" का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेषज्ञों ने कहा कि पिछले महीने भारत ने अपना स्पेसक्राफ्ट चन्द्रयान-3 सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर उतारा है। इस सप्ताहान्त में नई दिल्ली में फ्यूचरिस्टिक कन्वेंशन सेन्टर, जो एक उड़नतश्करी जैसा दिखाई देता है, को ज़मीन पर उतारने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। "ट्वन्टी" (जी-20) के ग्रुप ने नेताओं की 83 पैराग्राफों वाली घोषणा का अनुमोदन किया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण से लेकर आतंकवाद तक के विभिन्न प्रकार के मुद्दे शामिल थे। जहाँ विश्व के सम्पन्नतम देशों के बीच सर्वसम्मति बनना सदैव ही मुश्किल हुआ करता है तथा चीनी नेता शी जिनपिंग तथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की अनुपस्थिति के कारण इसकी आशाएं और भी कम हो गई थीं, वहीं भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एक ऐसी तैयार हुई, जिसमें अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं को शामिल किये जाने के साथ ही ग्रुप के नये सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन का स्वागत किया गया।

एटलांटिक काउंसिल एक निष्पक्ष संगठन है जो अमेरिकी नेतृत्व एवं विश्व में उसमें सहयोगियों एवं भागीदारों के साथ वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अमेरिकन थिंक टैंक, एटलांटिक काउन्सिल ने लिखा कि, शी जिनपिंग व पुतिन की अनुपस्थिति भारत का अपमान है, उन्होंने जी-20 की भारत की अध्यक्षता को प्रभाव शून्य करने की कोशिश की, पर, शिखर सम्मेलन के समाप्त होते-होते साफ हो गया कि, भारत न केवल अध्यक्ष के रूप में भारी सफल रहा है, बल्कि उसने बड़े देशों से लगभग सभी मसलों पर सर्वसम्मति हासिल की, अफ्रीकन यूनियन को स्थाई सदस्य बनवाकर दशकों से उपेक्षित देशों को नेतृत्व प्रदान किया।**
- **चीन और पाकिस्तान के घोर विरोध के बावजूद भी भारत ने अरूणाचल प्रदेश व कश्मीर में जी-20 की मीटिंग्स आयोजित कीं। चीन के थिंक टैंक ने कहा कि, भारत ने ऐसा करके सुर्खियां बटोरने की कोशिश की, पर, जी-20 मीटिंग के सहयोगात्मक वातावरण को नुकसान पहुंचाया।**

नाथूराम मिर्धा की पोती ज्योति मिर्धा भाजपा में शामिल

जयपुर, 11 सितम्बर (का.सं.)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा। मारवाड़ में कांग्रेस के सबसे मजबूत नेता रहे स्व. नाथूराम मिर्धा की पोती सोमवार को भाजपा में शामिल हुई।

- **कांग्रेस की पूर्व सांसद रहीं ज्योति मिर्धा के साथ, कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रिटायर्ड आई.पी. एस. सवाई सिंह भी भाजपा में शामिल हुए।**

नागौर से पूर्व कांग्रेसी सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा ने दिल्ली भाजपा मुख्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान रिटायर्ड आईपीएस सवाई सिंह चौधरी भी भाजपा में शामिल हुए, रिटायर्ड आई.पी.एस. सिंह खींवसर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)